

আল্লার নাম মুখে যাহার বুকে আল্লার নাম।
এই দুনিয়াতেই পেয়েছে সে বেহেশ্তের আরাম ॥

সে সংসারকে ভয় করে না, নাই মৃত্যু ডর
দুনিয়াকে শোনায় শুধু আনন্দের খবর,
দিবানিশি পান করে সে কওসরেরি জাম ॥

টাইন এফটি. ১৩১০৭ ॥ শিল্পী : আব্রাসউদ্দিন আহমদ
রেকর্ড-নাটিকা : আল্লার রহম ॥ তাল : কাহারুবা

II না -া না -া | সী -না -র্সা -া I গা -ধা শ'গা ধা | পা -া -া -া I
আ ল্ লা র্ না ০ ০০ ম্ মু ০ খে যা হা ০ ০ ০

I -মা মা -া পা | মজ্জা -া রা -া I রজ্জা -া -া -সা | সরা -জ্জরা সন্ম -সা I
ব্ বু ০ কে আ০ ল্ লা র্ না০ ০ ০ ম্ যা০ ০০ হা০ র্

||

I -া রা -া গা | মা -পা ধা -গা I গধা -পমা -পা -া | -া -া -া -া I
০ বু ০ কে আ ল্ লা র্ না০ ০০ ম্ ০ ০ ০ ০

I{ পা -র্বি র্বি র্বি | র্বি -া সর্বা -জ্জা I -র্বি সা -া র্বি | সর্বা -ধনা সা -া }I
এ ই দু নি যা ০ তে০ ০ ই পে ০ যে ছে০ ০০ সে ০

I -া -া গা গা | -া গা -া পা I ধা -া -া -মা | -পা -া -া -া II
০ ০ বে হে শ্ তে র্ আ রা ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ম্

পা -া II পা -ধা পা -ধা | পমা -া -া -া I পা -ধা গা র্বি | সা -া -ধা -গা I
সে ০ স ৎ সা র্ কে০ ০ ০ ০ ০ ভ য্ ক রে না ০ ০ ০

I -ା ରୀ -ା -ର୍ଜା | ମର୍ଗୀ -ର୍ମା ର୍ଜା ରୀ I ରୀ -ା -ା | -ା -ା -ା I
o ନା o ଇ ମୁଁ ତ୍ର ତ୍ର ର ଡ 0 0 0 o 0 ର 0

I ଗା ଗା ଗା ଧା | ଶ୍ରଗା -ା -ା -ପା I ପଧା ପଧା -ା ମା | ମଧା -ପା -ା -ା I
ଦୁ ନି ଯା କେ ସେ o o o ଶୋନା o ଯ ଶୁ ଧୁ o o o

I ପା -ଧା ପମା -ା | ପା -ଧା ଗା ରୀ I ଶ୍ରରୀ -ା -ା | -ା -ା -ା -ା I
ଆ o ନଂ ନ ଦେ o ରି ଖ ବ 0 0 0 o 0 ର 0

[-ରୀ]

I { -ା ରୀ -ରୀ ରୀ | ରୀ -ା ରୀ -ରୀ I ସରୀ -ଗର୍ମା -ା ମା | ମର୍ଗା -ର୍ଗା ର୍ମରୀ -ଗା } I
o ଦି o ବା ନି o ଶି o ପା 0 00 ନ କ ରେ 0 00 ମେ 0

I -ା ଗା -ା ଗା | ଗା -ା -ଧା -ପା I ପଧା -ା -ା -ମା | ମଧା -ପମା ଜା ରା I
o କ ଓ ସ ରେ o o ରି ଜା 0 o o ମ ପା 0 ନ କ ରେ

I -ା ରା -ା ଜା | ମା -ପା -ଧା ଗା I ପଧା -ା -ପା -ା | -ା -ା -ା -ା II
o କ ଓ ସ ରେ o o ରି ଜା 0 o ମ 0 o 0 o 0